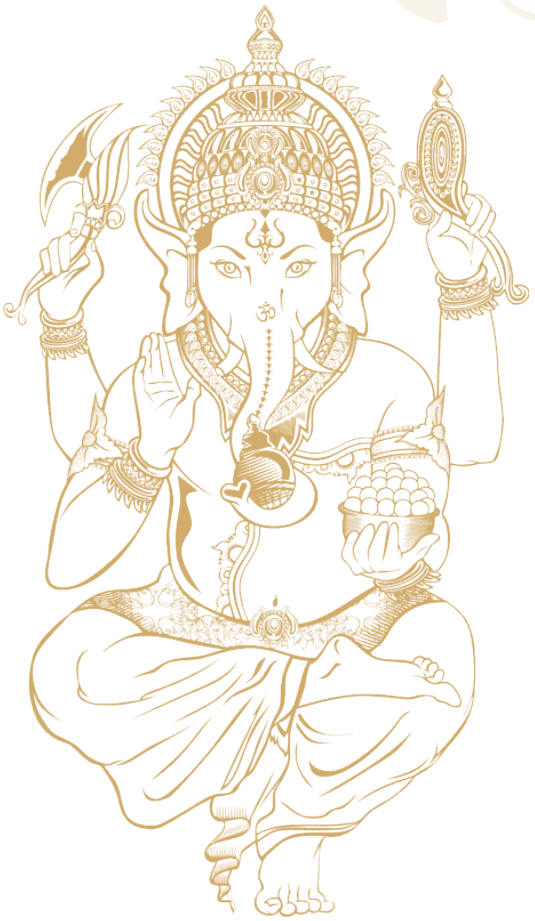

Photo Kumar

19 May 2019

06:00 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121082602

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**19/05/2019**
दिन	रविवार
जन्म समय	**18:00:00 घंटे**
इष्ट	31:18:24 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:38:52 घंटे
वेलान्तर	00:03:32 घंटे
साम्पातिक काल	09:26:26 घंटे
सूर्योदय	05:28:38 घंटे
सूर्यास्त	19:06:54 घंटे
दिनमान	13:38:16 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	04:08:01 वृष
लग्न के अंश	20:45:14 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 3**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	शिव
करण	कौलव
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	नू-नूर
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	20:45:14	307:53:09	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	---
सूर्य			वृष	04:08:01	00:57:45	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			वृश्चि	12:08:51	13:25:10	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	नीच राशि
मंगल			मिथु	08:03:56	00:38:42	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	शत्रु राशि
बुध		अ	वृष	01:39:44	02:10:16	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
गुरु	व		वृश्चि	28:00:52	00:06:21	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	मित्र राशि
शुक्र			मेष	10:52:29	01:12:54	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	सम राशि
शनि	व		धनु	26:05:31	00:01:50	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	सम राशि
राहु	व		मिथु	24:30:55	00:06:24	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	उच्च राशि
केतु	व		धनु	24:30:55	00:06:24	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	उच्च राशि
हर्ष			मेष	09:53:46	00:03:13	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	शनि	---
नेप			कुंभ	24:18:23	00:01:03	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	---
प्लूटो	व		धनु	28:53:00	00:00:41	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	---
दशम भाव			कर्क	25:03:37	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:07:22

लग्न-चलित

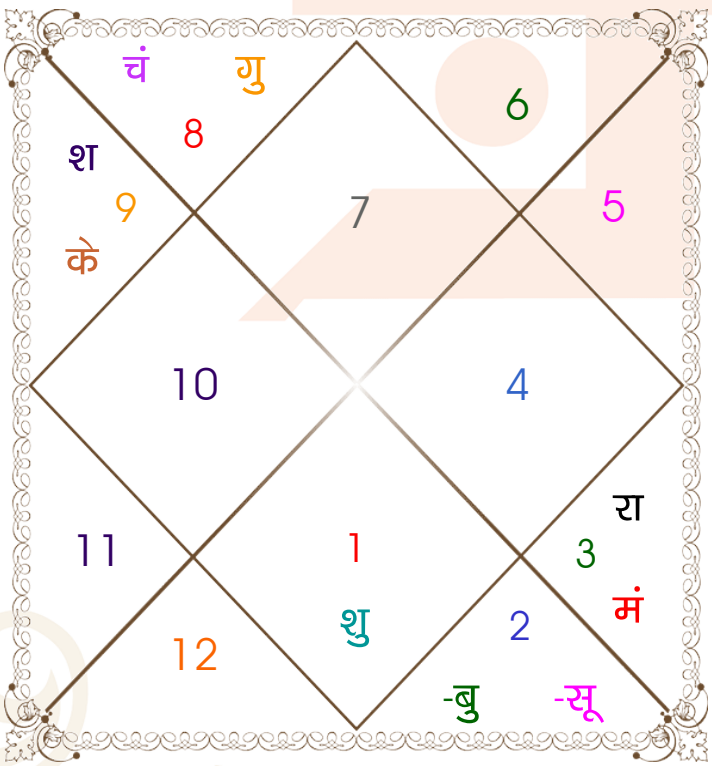

चन्द्र कुंडली

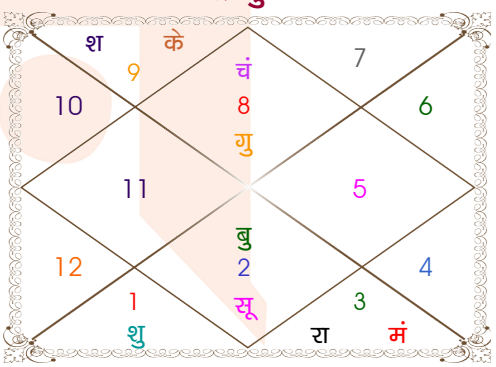

नवमांश कुंडली

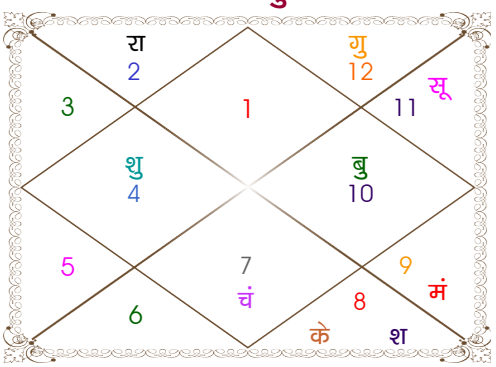

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 6 वर्ष 5 मास 8 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
19/05/2019		26/10/2025		27/10/2042		26/10/2049		26/10/2069	
26/10/2025		27/10/2042		26/10/2049		26/10/2069		27/10/2075	
	00/00/0000	बुध	24/03/2028	केतु	25/03/2043	शुक्र	25/02/2053	सूर्य	13/02/2070
	00/00/0000	केतु	21/03/2029	शुक्र	24/05/2044	सूर्य	25/02/2054	चंद्र	15/08/2070
	00/00/0000	शुक्र	20/01/2032	सूर्य	29/09/2044	चंद्र	27/10/2055	मंगल	20/12/2070
	00/00/0000	सूर्य	26/11/2032	चंद्र	30/04/2045	मंगल	26/12/2056	राहु	14/11/2071
	00/00/0000	चंद्र	27/04/2034	मंगल	26/09/2045	राहु	27/12/2059	गुरु	01/09/2072
	19/05/2019	मंगल	24/04/2035	राहु	14/10/2046	गुरु	27/08/2062	शनि	14/08/2073
मंगल	08/06/2020	राहु	11/11/2037	गुरु	20/09/2047	शनि	26/10/2065	बुध	21/06/2074
राहु	15/04/2023	गुरु	17/02/2040	शनि	29/10/2048	बुध	26/08/2068	केतु	27/10/2074
गुरु	26/10/2025	शनि	27/10/2042	बुध	26/10/2049	केतु	26/10/2069	शुक्र	27/10/2075

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
27/10/2075		26/10/2085		26/10/2092		28/10/2110		28/10/2126	
26/10/2085		26/10/2092		28/10/2110		28/10/2126		00/00/0000	
चंद्र	26/08/2076	मंगल	25/03/2086	राहु	09/07/2095	गुरु	15/12/2112	शनि	30/10/2129
मंगल	27/03/2077	राहु	12/04/2087	गुरु	02/12/2097	शनि	28/06/2115	बुध	10/07/2132
राहु	26/09/2078	गुरु	18/03/2088	शनि	09/10/2100	बुध	03/10/2117	केतु	18/08/2133
गुरु	26/01/2080	शनि	27/04/2089	बुध	28/04/2103	केतु	09/09/2118	शुक्र	18/10/2136
शनि	27/08/2081	बुध	24/04/2090	केतु	16/05/2104	शुक्र	10/05/2121	सूर्य	30/09/2137
बुध	26/01/2083	केतु	20/09/2090	शुक्र	17/05/2107	सूर्य	26/02/2122	चंद्र	01/05/2139
केतु	27/08/2083	शुक्र	20/11/2091	सूर्य	09/04/2108	चंद्र	28/06/2123	मंगल	20/05/2139
शुक्र	27/04/2085	सूर्य	27/03/2092	चंद्र	09/10/2109	मंगल	03/06/2124		00/00/0000
सूर्य	26/10/2085	चंद्र	26/10/2092	मंगल	28/10/2110	राहु	28/10/2126		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 6 वर्ष 5 मा 27 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विश्वाखा नक्षत्र के प्रथम चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के संयोजन से मेदिनीय क्षितिज पर जन्मकाल मेष नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण से यह स्मरणीय है कि आप अत्यंत आलसी प्रवृति के प्राणी हैं। इसके प्रभाव से यह भी स्पष्ट है कि आपका भविष्य ईश्वर की अनुकंपा से सांसारिक सुखों से युक्त एवं आप विलासप्रिय जीवन व्यतीत करेंगे।

आप धन संचित करने के लिए अन्य की अपेक्षा अति अनुकूल तरीके से प्रस्तुत होंगे। इस बात से यह भी स्पष्ट है कि आपमें धनोपार्जन की सभी दाव पेंच विद्यमान है। साथ ही आप दो पक्ष को कलह की स्थिति में लाकर अपना लाभ प्राप्त करेंगे। आप मुख्य रूप से अपनी आयु के प्रथम 21 वें वर्ष से 38 वें वर्ष तक 34 वे वर्ष के समयावधि में बहुत धन उपार्जन करेंगे।

आप अनुचित तरीके से बहुसंख्यक व्यक्तियों पर अहंकार की भावना से अधीर होकर आक्रमणकारी रूख आपना कर उसे तंग करने की प्रवृति रखेंगे। अधिकांश व्यक्ति जो आपके संपर्क में आएंगे वे आपकी बचकाना आचरण से अप्रसन्न रह कर आपके शत्रु बन जाएंगे। परंतु आपको अपनी चारित्रिक उच्चता हेतु उत्तम यह है कि आप शक्ति सम्पन्नता प्राप्त करें। अर्थात् मानवीय शक्ति संग्रह करें। तथापि वे लोग आपके स्थायी शत्रु बन ही जाएंगे।

आपका संदिग्ध चरित्र आपकी प्रभावशाली छवि को बेनकाव कर आपको बहुचर्चित एवं कुख्यात प्रदर्शित करेगा। आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को नीति पूर्ण बनाकर व्यवहारणीय बनाएं। अन्यथा आपकी समस्त धारणा कलुषित प्रमाणित होगी।

यदि आपकी ऐसी अभिलाषा है कि आप अपने घरेलू वातावरण एवं अपने परिवारिक जीवन को सुव्यवस्थित रखें तो सदा सर्वदा के लिए कुटनीतिज्ञ तरीके का संपादन करना अनुकूल होगा।

संप्रति आप अति वासना प्रिय व्यक्ति हैं। आप अपने जीवन संगिनी की सभी आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं कर सके तथा वातावरण छिन्न भिन्न रहा तो आप संतुष्ट तथा प्रसन्न नहीं रहेंगे। आप सावधानी पूर्वक पारिवारिक एवं घरेलू जीवन प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत हो सकता है।

आपकी पत्नी आपको सदैव अच्छी प्रकार से प्रसन्न रखेगी तथा ऐसी आशा है कि आप सदैव अच्छी संतानों का सुख प्राप्त करेंगे।

आप निरंतर कुशलता पूर्वक सक्रिय रहने वाले प्राणी हैं। आप धनोपार्जन हेतु पूर्ण रूपेण लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर अनेक यात्रा करेंगे। आप असामयिक भोजन एवं मद्य पान एवं अति भोजन के कुप्रभाव से कुछ समय के पश्चात आपके उत्तम स्वास्थ्य को प्रभावित कर देगा। आप यदि ऐसा चाहते हैं कि भविष्य में संभावित रोग यथा ट्यूमर, रक्त प्रवाह की न्यूनता संबंधी आदि रोगों से मुक्त रहें तथा मस्तिष्क रोग एवं मूत्र संबंधी रोग की परेशानी से

वंचित रहें तो खान-पान के संबंध में सतर्कता पूर्वक आचरण करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आप अंकों में 3, 5, 6 एवं 9 अंक को छोड़कर 1, 2, 4 एवं 7 अंक का व्यवहार करें क्योंकि ये अंक अनुकूल फलदायी है।

आप रंगों में लाल, नारंगी एवं सफेद रंग को धारण करें तथा रंग पीला एवं हरा रंग आपके लिए त्याज्य हैं।